आदर्श प्रश्न पत्र II

2012-13

विषय –इतिहास

कक्षा – बारहवीं

BLUE PRINT

Class : XII Marks : 100 marks

Subject : History Time : 3 hours

Theme	Very Short Answer (2)	Short Answer (5)	Long Answer (8)	Passage-based (8)	Skill (5)	Total	
1 and 2	2(1)	-	-	8(1)	5(1)*	10	25
3 and 4	-	15(3)	-	-	-	15	
5 and 6	2(1)	-	-	8(1)	-	10	
7 and 8		5(1)	10(1)	-	5(1)*	15	30
9		5(1)	-	-	-	5	
10 and 11		10(2)		-	5(1)*	10	
12 and 13	2(1)	-	10(1)	-	-	12	35
14 and 15	-	5(1)	-	8(1)	-	13	
Map					10		10
Total	06	40	20	24	10	100	

There are two map questions one for identification (no choice) themes 7 and 1 for location and labeling (choice) themes 2 or 11.

आदर्श प्रश्न पत्र – II
2012-13
विषय – इतिहास
कक्षा – बारहवीं

निर्धारित समय : 3 घण्टे **अधिकतम अंक : 100**

सामान्य निर्देशः

(i) सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न के अंक उसके सामने लिखे है।

(ii) 2 अंक वाले प्रत्येक प्रश्न (खंड क–प्रश्न 1 से 3) का उत्तर 30 शब्दों से अधिक नही होना चाहिए।

(iii) 5 अंक वाले प्रत्येक प्रश्न (खंड ख–भाग I, II, III - प्रश्न 4 से 14) का उत्तर 100 शब्दों से अधिक नहीं होना चाहिए।

(iv) 10 अंक वाले प्रश्न (खंड ग– प्रश्न 15 से 16) का उत्तर 500 शब्दों से अधिक नहीं होना चाहिए।

(v) खंड घ का प्रश्न तीन स्त्रोतों पर आधारित है।

(vi) मानचित्र को उत्तर पुस्तिका के साथ संलग्न कीजिए (खण्ड–य)।

खण्ड–क

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए –

Q.1. प्रसिद्ध प्रयाग प्रशस्ति की रचना किसने की? इसकी भाषा क्या थी? 2

Q.2. भारत के बारे में लिखते समय अलबिरूनी को कौन सी दो समस्याओं का सामना करना पड़ा? 2

Q.3. किसान महात्मा गांधी को किस तरह देखते थे? 2

खण्ड–ख

निम्नलिखित में से किन्ही तीन प्रश्नों के उत्तर लिखिए –

Q.4. हड़प्पा संस्कृति की कुछ विशिष्टताओं का वर्णन कीजिए? 5

Q.5. प्राचीन काल के सामाजिक मूल्यों के अध्ययन करने हेतु महाभारत एक स्त्रोत है, इस कथन की पुष्टि उचित तर्को द्वारा कीजिए? 5

Q.6. सॉची क्यों बच गया जबकि अमरावती नष्ट हो गया? आलोचनात्मक समीक्षा कीजिए? 5

Q.7. आप ऐसा क्यों सोचते है कि महात्मा बुद्ध न अपने अनुयायियों को परामर्श दिया कि स्वय अपने लिए ज्योति बनें? 5

भाग–II

निम्नलिखित में से किन्ही दो प्रश्नों के उत्तर लिखिए –

Q.8. आपके विचार में महानवमी डिब्बा से सम्बन्ध अनुष्ठानों का क्या महत्व था? 5

Q.9. मुगल काल में कृषि उत्पादन में महिलाओं की भूमिका का विवरण दीजिए? 5

Q.10. मुगलों और ऑटोमनों के पारस्परिक सम्बन्धों का संक्षेप में वर्णन कीजिए? 5

भाग–III

निम्नलिखित में से किन्ही तीन प्रश्नों के उत्तर लिखिए –

Q.11. संथालों ने ब्रिटिश शासन के विरूद्ध विद्रोह क्यों किया? 5

Q.12. 1857 के विद्रोह की असफलता के क्या कारण थे? 5

Q.13. ब्रिटिश नीति के कोई पॉच तरीके बताईए जिसने अवध के ताल्लुकदारों को प्रभावित किया? 5

Q.14. भारत विभाजन का भारतीय महिलाओं पर जो प्रभाव पड़ा उसका आंकलन करें? 5

खण्ड–घ

भाग–I

Q.15. कमल महल और हाथियों के अस्तबल जैसे भवनों का स्थापत्य हमें उनके बनवाने वाले शासकों के विषय में क्या बताता है? 10

OR / अथवा

कृषि इतिहास लिखने के लिए आइन को स्त्रोत के रूप में इस्तेमाल करने में कौन सी समस्याएँ हैं? इतिहासकार इन समस्याओं से कैसे निपटते है?

Q.16. औपनिवेशिक शासन के दौरान किन्ही चार परिवर्तनों को बताइए जो नये शहरों के सामाजिक जीवन में आए थे? 10

OR / अथवा

महात्मा गॉधी के आगमन ने किस प्रकार राष्ट्रीय आन्दोलन के आधार को विस्तृत किया, समझाइए?

खण्ड–घ (स्त्रोत आधारित प्रश्न)

निम्नलिखित अनुच्छेदों (प्रश्न सं. 19 से 21) को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उनके अंत में पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए?

Q.17 निम्नलिखित अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा उसके बाद पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

''प्रभावती गुप्त और दंगुन गाँव''

प्रभावती गुप्त ने अपने अभिलेख में यह कहा हैः

प्रभावती ग्राम कुटुंबिनों (गॉव के गृहस्थ और कृषक), ब्राहम्णों, और दुगुन गांव के अन्य वासियों को आदेश देती है............

''आपको ज्ञात हो कि कार्तिक शुक्ल पक्ष की द्वादशी तिथि को धार्मिक पुण्य प्राप्ति के लिए इस ग्राम को जल अपर्ण के सङ्ञथ आर्चाय चनास्वामी को दान किया गया है। आपको इनके सभी आदेशों का पालन करना चाहिए।

एक अहार के लिए उपयुक्त निम्नलिखित रियायतों का निर्देश भी देती हूँ। इस गॉव में पुलिस या सैनिक प्रवेश नहीं करेंगे। दौर पर आने वाले शासकीय अधिकारियों का यह गॉव घास देने और आसन में प्रयुक्त होने वाली जानवरों की खाल और कोयला देने के दायित्व से मुक्त है। साथ ही वे मदिरा खरीदने और नमक हेतु खुदाई करने के राजसी अधिकार को कार्यान्वित किए जाने से मुक्त है। इस गॉव को खनिज पदार्थ और खदिर वृक्ष के उत्पादन देने की भी छूट है। फूल और दूध देने से भी छूट है। इस गॉव का दान इसके भीतर की संपत्ति और बड़े छोटे सभी करों सहित किया गया है।''

इस राज्यादेश को 13वें राज्य वर्ष में लिखा गया है और इसे चक्रदास ने उत्कीर्ण किया है।

a) इस अभिलेख को किसने जारी किया? 1
b) वह जमीन दान क्यों करना चाहती थी? यह दान किसने प्राप्त किया? 2
c) एक अग्रहार भूमि को किन करों से मुक्त रखा जाता था? 2
d) इस स्त्रोत के महत्व को लिखिए? (कोई तीन) 3

अथवा

निम्नलिखित अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़ें तथा उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर दीजिए?

''पुरावस्तुओं की पहचान कैसे की जाती है?''

भोजन तैयार करने की प्रक्रिया में अनाज पीसने के यंत्र तथा उन्हें आपस में मिलाने, मिश्रण करने तथा पकाने के लिए बरतनों की आवश्यकता थी। इन सभी को पत्थर, धातु मिट्टी से बनाया जाता था। यहॉ एक महत्वपूर्ण हड़प्पा स्थल मोहनजोदड़ों में हुए उत्खननों पर सबसे आरंभिक रिपोर्टों में से एक से कुछ उद्धारण दिए जा रहे है–

अवतल चक्कियां.............. बड़ी संख्या में मिली हैं............ और ऐसा प्रतीत होता है कि अनाज पीसने के लिए प्रयुक्त एक मात्र साधन थीं। साधारणतः ये चक्कियां स्थूलतः कठारे, कंकरीले, अग्निज अथवा बलुआ पत्थर से निर्मित थीं और आमतौर पर इनसे अत्याधिक प्रयोग के संकेत मिलतें हैं। चूंकि इन चक्कियों के तल सामान्यतया उत्तल हैं, निश्चित रूप से इन्हें जमीन में अथवा मिट्टी में जमाकर रखा जाता होगा। जिससे इन्हें हिलने से रोका जा सकें। दो मुख्य प्रकार की चक्कियॉ मिली है। एक वे हैं जिन पर एक दूसरा छोटा पत्थर आगे–पीछे चलाया जाता था, जिससे निचला पत्थर खोखला हो गया था, तथा दूसरी वे हैं जिनका प्रयोग संभवतः केवल सालन या तरी बनाने के लिए जड़ी बूटियों तथा मसालों को कूटने के लिए किया जाता था, इन दूसरे प्रकार के पत्थरों को हमारे श्रमिकों द्वारा 'सालन पत्थर, का नाम दिया गया है तथा हमारे बावर्ची ने एक यही पत्थर रसोई प्रयोग के लिए संग्रहालय से उधार माँगा है।

a) मुख्य दो प्रकार की चक्कियाँ कौन सी है? 2

b) ये चक्कियां किस से निर्मित थीं? 2

c) इन्हे सालन पत्थर क्यों कहा जाता है? 1

d) उन दो तरीकों का वर्णन कीजिए जिसके द्वारा पुरातत्वविद इन खोजों को वर्गीकृत करते है तथा एक तरीका बताइए जिससे वे इसके उपयोग को निर्धारित करते हैं? 3

Q.18.

घोड़े पर और पैदल

डाक व्यवस्था का वर्णन इब्न बतूता इस प्रकार करता है।

भारत में दो प्रकार की डाक व्यवस्था है। अश्व डाक व्यवस्था जिसे उलुक कहां जाता है, हर चार मील की दूरी पर स्थापित राजकीय घोड़ों द्वारा चालित होती है। पैदल डाक व्यवस्था के प्रति मील का एक तिहाई होता है......... अब, हर तीन मील पर घनी आबादी वाला एक गॉव होता है। जिसके बाहर तीन मंडप होते है जिनमें लोग कार्य आरंभ करने के लिए तैयार बैठे रहते है। उनमें से प्रत्येक के पास दो हाथ लम्बी एक छड़ होती है। जिसके ऊपर ताबें की घंटियां लगी होती हैं। जब संदेश वाहक शहर से यात्रा आरंभ करता है तो एक हाथ पत्र तथा दूसरे में घंटियों सहित छड़ लिए वह क्षमतानुसार तेज भागता हैं जब मंडप में बैठे लोग घंटियां की आवाज सुनते है तो वे तैयार हो जाते है। जैसे ही संदेश वाहक पास पहुंचता है, उनमें से एक उससे पत्र लेता है और वह छड़ हिलाते हुए पूरी ताकत से दौड़ता है, जब तक वह अगले दावा तक नही पहुॅंच जाता। पत्र के अपने गंतव्य स्थान तक पहुंचने तक यही प्रक्रिया चलती रहती हैं यह पैदल डाक व्यवस्था अश्व डाक व्यवस्था से अधिक तीव्र होती है, और इसका प्रयोग अकसर खुरासान के फलों के परिवहन के लिए होता है, जिन्हें भारत में बहुत पसंद किया जाता है।

a) दो प्रकार के डाक व्यवस्था के नाम लिखिए? 1

b) पैदल डाक व्यवस्था किस प्रकार कार्य करती थीं? 3

c) इब्नबतूता को क्यों लगता था कि भारत में डाक व्यवस्था उत्तम थीं? 3

d) चौदहवी शताब्दी में राज्य व्यापारियों को किस प्रकार प्रोत्साहित करते थें? 1

अथवा

निम्नलिखित अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर दीजिए?

मुगलशहजादी जहॉआरा की तीर्थयात्रा 1643

निम्नलिखित गद्यांश जहॉआरा द्वारा रचित शेख मुइनद्दीन चिश्ती की जीवनी मुनिस अलअख्याह (यानी आत्मा का विश्वस्त) से लिया गया हैं अल्लाहताला की तारीफ के बाद। यह फकीरा जहॉआरा। राजधानी आगरा से अपने पिता (बादशाह शाहजहॉ) के संग पाक औरबेजोड़ अजमेर के लिए निकली.... मैं इस बात के लिए वायदापरस्त थी कि हर रोज और हर मुकाम पर मैं दो बार की अख्तियारी नमाज अदा करूंगी... बहुत दिन.... मैं रात को बाघ के चमड़े पर नहीं सोई और अपने पैर मुकद्यस दरगाह की तरफ नही फैलाए, न ही मैने अपनी पीठ उनकी तरफ की। मैं पेड़ के नीचे दिन गुजारती थी।

वीरवार को रमजान के मुकद्दस महीने के चौथे रोज मुझे चिराग और इतर में डूबे दरगाह की जियारत की खुशी हासिल हुई... चूंकि दिन की रोशनी की एक छड़ी बाकी थी मैं दरगाह के भीतर गई और अपने जर्द चेहरे को चौखट की धूल से रगडा दरवाजे से मुकद्दस दरगाह तक मैं नंगे पांव वहॉ की जमीन को चूमती हुई गई। गुंबद के भीतर रोशनी से भरी दरगाह में मैने मजार के चारों ओर सात फेरे लिए। आखिर में अपने हाथों से मुकद्दस दरगाह पर मैने सबसे उम्दा इतर छिड़का। चूंकि गुलाबी दुपट्टा जो मेरे सिर पर था, में उतार चुकी थी इसलिए उसे मैने मुकद्दस मजार के ऊपर रखा।

a) जहॉआरा ने किस प्रकार शेख के प्रति अपनी निष्ठा दिखाई? 2

b) दरगाह अनेक भक्तों को क्यों आकर्षित करता था? 2

c) हम किस प्रकार जानते है कि अकबर भी संत के प्रति गहरा सम्मान रखता था? 2

d) जियारत या तीर्थ यात्रा की अन्य गतिविधियॉ क्या थी? 2

Q.19.

निम्नलिखित अवतरण को ध्यानर्वूक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिएः

मुस्लिम लीग का प्रस्ताव : 1940

मुस्लिम लीग के 1940 वाले प्रस्ताव की मांग थीः–

'कि भौगोलिक दृ ट से सटी हुई इकाईयों को क्षेत्रों के रूप में चिन्हित किया जाए, जिन्हें बनाने में जरूरत के हिसाब से इलाकों का फिर से ऐसा समायोजन किया जाए कि हिंदुस्तान के उत्तर–पश्चिम और पूर्वी क्षेत्रों जैसे जिन हिस्सों में मुसलमानों की संख्या ज्यादा है, उन्हें इकट्ठा करके 'स्वतंत्र राज्य' बना दिया जाए जिनमें ाामिल इकाईयां स्वाधीन और स्वायत्त होंगी।'

प्रश्न 01 क्या इस प्रस्ताव में पाकिस्तान की मांग की गई है ? तर्क सहित समझाइए। 2

प्रश्न 02 यह प्रस्ताव किसने लिखा ?
2

प्रश्न 03 मुस्लिम लीग ने किस तरह की स्वायत्ता की मांग की ?
2

प्रश्न 04 प्रस्ताव में किन क्षेत्रों की स्वायत्ता की मांग की गई ?
2

अथवा

''खंडित निष्ठा के लिए कोई जगह नही''

गोविंद वल्लभ पंत ने कहा कि निष्ठावान नागरिक बनने के लिए लोगों को समुदाय और खुद को बीच में रख कर सोचने की आद्त छोड़नी होगीः

लोकतंत्र की सफलता के लिए व्यक्ति को आत्मानुशासन की कला का प्रशिक्षण लेना होगा – लोकतंत्र में व्यक्ति को अपने लिए कम तथा औरों के लिए ज्यादा फिक्र करनी चाहिए। यहॉ खंडित निष्ठा के लिए कोई जगह नहीं है। सारी निष्ठाऍ केवल राज्य पर केंद्रित होनी चाहिए। यदि किसी लोकतंत्र में आप प्रतिस्पर्धी

निष्ठाएँ रख देते हैं या ऐसी व्यवस्था खड़ी कर देते हैं, जिसमें कोई व्यक्ति या समूह अपने अपव्यय पर अंकुश लगाने की बजाय बृहत्तर या अन्य हितों की जरा भी परवाह नहीं करता, तो ऐसे लोकतंत्र का डूबना निश्चित है।

a) गोविन्द वल्लभ पंत के अनुसार प्रजातंत्र में एक निष्ठावादी नागरिक के तीन अभिलक्षण क्या है? 3

b) पृथक निर्वाचिका से आप क्या समझते है? 1

c) संविधान लिखते समय पृथक निर्वाचिका की मॉग क्यों की गई? 2

d) जी.बी. पंत इस माँग के विरूद्ध क्यों थे? दो कारण लिखिए? 2

Part - E (खण्ड–य)

Q.20. भारत के दिए हुए राजनीतिक रेखा–मानचित्र पर निम्नलिखित महाजनपदों तथा नगरों को चिन्हित कीजिए और उनके नाम लिखिएः 5

सातवाहन, चोल, उज्जैयनी, राजगिर, मथुरा।

अथवा

भारत के दिए हुए राजनीतिक रेखा–मानचित्र पर 1857 के विद्रोह के निम्नलिखित केन्द्रों को चिन्हित कीजिए तथा उनके नाम लिखिएः

दिल्ली, लखनऊ, आरा, जबलपुर, आगरा

Q.21. भारत के लिए हुए राजनीतिक रेखा मानचित्र पर 14वीं से 18वीं शताब्दी के मध्य के दक्षिण भारत के पॉच महत्वपूर्ण स्थान संख्या 1, 2, 3, 4, 5 दिखाए गए हैं। उन्हें पहचानिए तथा उनके नाम उनके समीप खींची गई रेखाओं पर लिखिए। 5

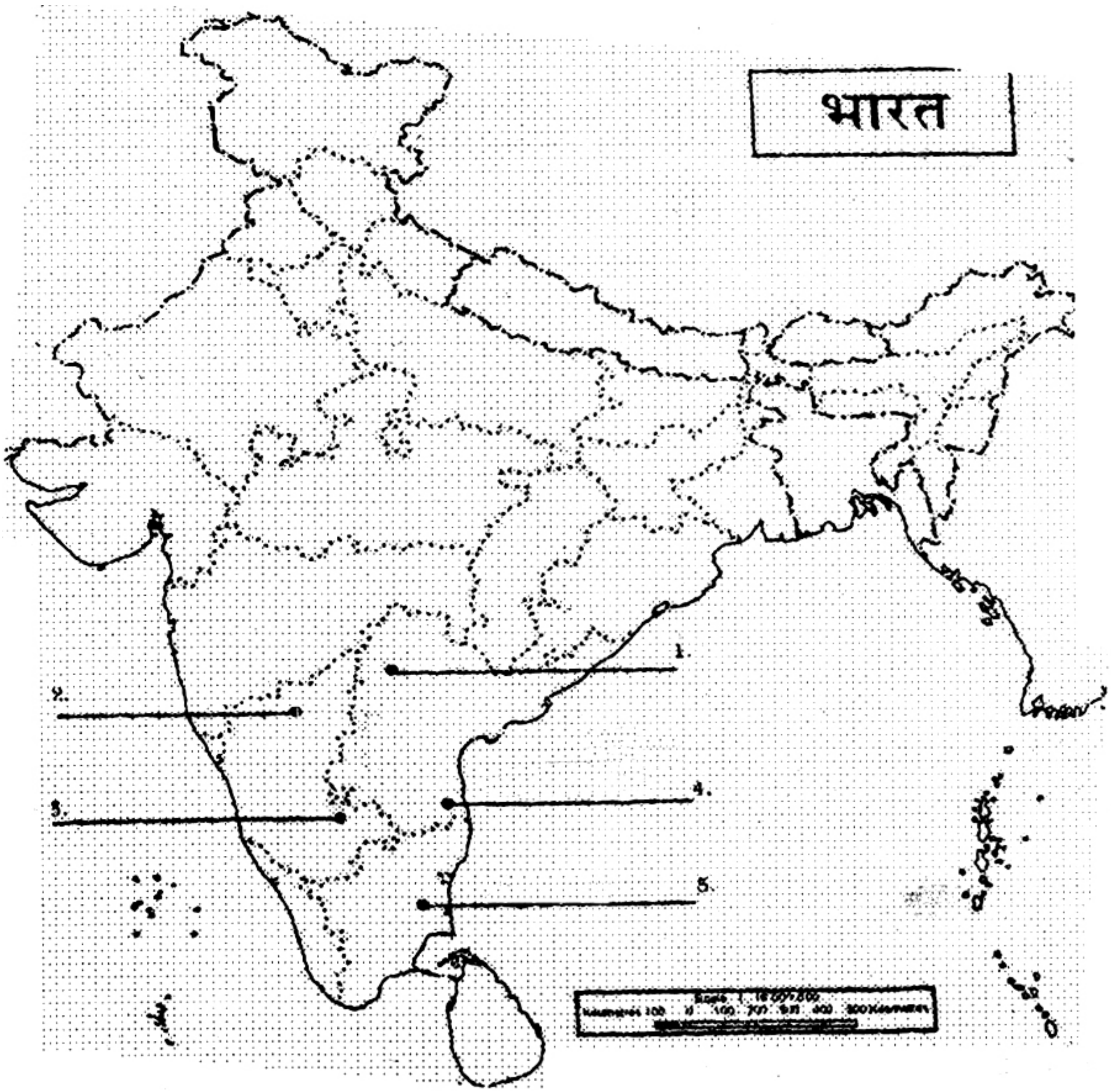
भारत
1.
2.
3.
4.
5.

आदर्श प्रश्न पत्र II
विषय –इतिहास
कक्षा – बारहवीं

अंक योजना

खण्ड–क

Ans.1. गुप्तों के राजकवि हरिषेण ने संस्कृत भाषा में की। 1+1= 2

Ans.2. अलबिरूनी की समस्याः संस्कृत भाषा और उसका अनुवाद, धार्मिक अवस्था और प्रथाएँ। 1+1= 2

Ans.3. किसानों ने गॉधी को एक हमदर्द, सुधारक और उद्धारक के रूप में देखा, उन्हें चमत्कारी शक्तियॉ से युक्त माना। 1+1= 2

खण्ड–ख
भाग–I

Ans.4. नियोजित शहर, उचित, जल निकासी व्यवस्था, चौड़ी सड़कें, वस्त्रों और आभूषणों की जानकारी, लिपि का प्रयोग, मुहरों की प्राप्ति, फसलों को उगाना, अन्य सभ्यताओं से व्यापार–वाणिज्य, मूर्तिकला में निपुणता। 1x5= 5

Ans.5. पितृसत्तात्मक परिवार, गुरू का महत्व, माता की आज्ञा सर्वोपरि होना, बर्हिगोत्र विवाह को मान्यता, बड़ों का आदर, कर्म की महत्ता। 1x5= 5

Ans.6. अमरावती स्तूप की खोज सबसे पहले होना, विद्वानों द्वारा उस स्तूप के महत्व को न समझना, स्तूप के अवशेषों को अंग्रेजों द्वारा उठाकर ले जाना, संरक्षण प्राप्त न होना, स्तूप प्राप्ति के मूल स्थान को सुरक्षित न करना। 1x5= 5

Ans.7. महात्मा बुद्ध ने जन्म मृत्यु के चक्र से मुक्ति, आत्मज्ञान और निर्वाण के लिए व्यक्ति केन्द्रित हस्तक्षेप और सम्यक कर्म की कल्पना की। निर्वाण का अर्थ– अहं और इच्छा का अंत होना बौद्ध परम्परा के अनुसार शिष्यों को अन्तिम निर्देश था। स्वयं ही ज्योति बनो क्योंकि तुम्हें स्वयं ही अपनी मुक्ति का रास्ता ढूंढना है। 1x5= 5

भाग–II

Ans.8. विजयनगर शहर के सबसे ऊँचे स्थान पर महानवमी डिब्बा विशाल मंच।
अनुष्ठान– सितम्बर व अक्टूबर के शरद मास में दशहरा, नवरात्री या महानवमी के अवसर। अनुष्ठानों को मूर्तिपूजा, अश्व पूजा, जानवरों की बलि, नृत्य, कुश्ती प्रतियोगिता, घोड़ों, हाथियों, रथों और सैनिकों की शोभा यात्रा, राजा को दी जाने वाली भेंट, इस अवसर के आकर्षण थे। राजा भव्य समारोह का निरीक्षण भी करता था। 1x5= 5

Ans.9. कृषि उत्पादन में पुरूषों की बराबरी से बुआई, तिराई, कटाई करना, दस्तकारी के सभी कार्य सूत कातना, कपड़ों पर कढ़ाई एवं बर्तन बनाना, महिलाओं की

बाजार में सक्रिय हिस्सेदारी, पिता की संपत्ति पर अधिकार, जमींदारी भी उत्तराधिकार में मिलना। 1x5= 5

Ans.10. राजनैतिक सम्बन्ध, व्यापारिक सम्बन्ध, तीर्थयात्रियों का स्वतंत्र आवागमन, मुगलों द्वारा बहुमूल्य वस्तुओं का निर्यात करना, अर्जित आय धर्मस्थलों पर दान में खर्च करना, मक्का और मदीना का आटोमन अरब के क्षेत्र में स्थित होना प्रमुख आवागमन आकर्षण होना। 1x5= 5

भाग–III

Ans.11. संथालों की भूमि की नाप जोख होना, स्थायी किसान बनने की मजबूरी, भूमि पर भारी लगान होना, उर्वर जमीनों का अभाव, साहूकारों के अत्याचार, स्वतंत्र जीवन पर रोक। 1x5= 5

Ans.12. समय से पहले प्रारम्भ, सीमित साधन, समान उद्देश्यों का अभाव, कुछ ही क्षेत्रों तक सीमित, डलहौजी की विलय नीति, सामाजिक–आर्थिक असंतोष 1x5= 5

Ans.13. सहायक संधि के परिणाम स्वरूप, विलय की नीति, किसानों और सैनिकों के असंतोष, नस्लीय भेदभाव होना और प्रशासन में अंग्रेजों की अनिश्चित लगान व्यवस्था, ताल्लुकदारो के प्रभाव में कमी आना, जमीनें छिन जाना, सत्ता छिनने से सामाजिक व्यवस्था नष्ट होना। 1x5= 5

Ans.14. महिलाओं के ऊपर खराब प्रभाव रहे लूटपाट, हत्या, बलात्कार, बार बार बेचना, खरीदना आदि कार्य उनके साथ हुए। अजनबियों के साथ नई जिंदगी के लिए मजबूर,, सुहाग या गोद का उजड़ना, परिवार द्वारा अस्वीकारना, पेट भरने के लिए वेश्यावृत्ति जैसे निंदनीय व्यवसाय अपनाना पड़ा। पुरूष, स्त्रियों की पवित्रता बनाए रखने के लिए उन्हें स्वयं भी मार डालते थे। 1x5= 5

खण्ड–घ

भाग–I

Ans.15. विजय नगर के भव्य भवनों में से एक कमल महल। इस महल का प्रयोग राजा और परिवार के लोगों द्वारा किया जाता था। महल के दीवारों पर मूर्तियाँ सुरक्षित है और महल के अंदर दीवारों पर रामायण के दृश्य अंकित हैं, जो विजयनगर के राजाओं की स्थापत्य रूचि को दर्शाते हैं। कमल महल के समीप हाथियों को रखने का स्थान था। अमर–नायक भी प्रतिवर्ष राजा को भेंट देते थे। यह सभी धनराशि विशाल भवन निर्माण में लगाई गई। वास्तुकला में इन्डो इस्लामिक शैली का प्रयोग होता था। 4+4= 8

अथवा

मुगलकालीन कृषि इतिहास लिखने में आइन–ए–अकबरी मुख्य स्त्रोत, संक्षेप में आइन–लेखक अबुलफजल। समस्याऐं– जोड़ करने में कई गल्तियॉ हैं, संख्यात्मक आंकड़ों में विषमताऍ, क्षेत्रीयता की समस्या है। इतिहासकार इसे असामान्य एवं अनोखा दस्तावेज मानते हैं। इतिहासकार आइन की अन्य

सूचनाओं जैसे लोगों, व्यवसायों पेशों, साम्राज्य की व्यवस्था, उच्चाधिकारियों के बारे में सामग्री एकत्र कर इन समस्याओं को सुलझाते हैं। 4+4= 8

Ans.16. यातायात के साधनों में वृद्धि– बसों और ट्रकों का चलन, सार्वजनिक स्थानों में वृद्धि–टाऊनहाल, सार्वजनिक पार्क, सिनेमा हाल आदि, नए सामाजिक समूहों का उदय जेसे क्लर्कों, शिक्षकों, वकीलों, डाक्टरों की बढ़ती मांग, शहरों में महिलाओं के लिए नए अवसर– मजदूर, शिक्षिका, रंगकर्मी, फिल्म कलाकार, मेहनतकश गरीबों का नया वर्ग– शहर की ओर आकर्षित। 4x2= 8

अथवा

क्षेत्रीय आन्दोलन– चंपारण, अहमदाबाद एवं खेड़ा आंदोलन, राष्ट्रीय आंदोलन– असहयोग, सविनय, अवज्ञा एवं भारत छोड़ों, गांधी के अस्त्र– सत्य, अहिंसा, सत्याग्रह, गांधी के लक्ष्य– छूआछूत मिटाना, हिंदू–मुस्लिम एकता, नारियॉ की स्थिति में सुधार लाना। 4x2= 8

खण्ड–घ (स्त्रोत आधारित प्रश्न)

Ans.17. 1– प्रभावती गुप्त ने 1

2– कृषि को बढ़ाने भूमिदान, दान दिया आचार्य चनाल स्वामी को 2

3– गांव में सेना का प्रवेश वर्जित, दौरे के अधिकारी की मांग को पूरा करने की आवश्यकता नहीं 2

4– प्रभावती भूस्वामिनी थी, भू–दान भी किया, गांव की जनता को अनुदान मिलता था। 3

अथवा

1– चक्कियों के प्रकार एक वे है जिन पर छोटा पत्थर रखकर चलाया जाता था जिससे निचला पत्थर खोखला होता जाता था । दूसरा जिसका प्रयोग सॉलन या करी बनाने या मसाला कूटने के लिए होता था। 2

2– कठोर, कंकरीले, अग्निज तथा बलुआ पत्थर से। 2

3– श्रमिकों ने सालन नाम दिया क्योंकि सालन के लिए मसाला कूटने होता है। 1

4– पहले का संबंध रोजमर्रा से, अनुष्ठानिक प्रयोग से पुरातत्वविद खंडित वस्तुओं को जमाकर उन्हें वर्गीकृत करते हैं। 3

Ans.18. 1— अश्वडाक व्यवस्था, पैदल डाक व्यवस्था 1

2— पैदल डाक व्यवस्था का वर्णन करना है, प्रारंभ से गंतव्य तक 3

3— इब्नबतूता इस प्रणाली को प्रभावशाली मानता था, शासक को सूचना, व्यापारियों का माल एवं संदेश देती थी, तीव्र भी थी। 3

4— व्यापारिक मार्गों पर सराय तथा विश्रामगृह की व्यवस्था राज्य करता था। 1

अथवा

1— हर मुकाम पर दो बार नमाज पढ़ना, दरगाह की तरफ पैर पीठ न करना, पेड़ के नीचे दिन गुजारना। 1

2— दरगाह एवं उसकी पवित्रता मुख्य आकर्षण। 2

3— अकबर ने फतेहपुर सीकरी में दरगाह बनवाई, वह 14 बार अजमेर शरीफ गया, दान—भेंट भी देता था। 2

4— नृत्य एवं संगीत, खासतौर पर कव्वाली।

Ans.19 1- प्रस्ताव में पंजाब, अफगान, कश्मीर, सिंध व ब्लूचिस्तान के मुस्लिम बहुल इलाकों की स्वायत्ता की मांग की गई।

2. मुस्लिम लीग मुस्लिम बहुल इलाकों में मुस्लिम लोगों के लिए सीमित स्वायत्ता चाहते

थे। उन्होंने धर्म या समुदाय के आधार पर अलग देश की मांग इस प्रस्ताव में नहीं की।

3. पंजाब के मुख्यमंत्री सिकन्दर हयात खान ने।

4 नहीं, क्योंकि प्रस्ताव में पाकिस्तान ाब्द का जिक्र नहीं है।

अथवा

1— अपनी कम तथा दूसरों की फ्रिक ज्यादा, नागरिक के बारे में सोचना तथा निष्ठा खंडित नहीं होना चाहिए। 3

2— वर्ग विशेष या समुदाय विशेष के लिए अलग निर्वाचिका की व्यवस्था। 1

3— अल्पसंख्यक, दलित समुदाय के हितों की रक्षा एवं विकास हेतु। 2

4— क्योंकि इससे नागरिकों की निष्ठा खंडित होता है तथा देश की एकता को खतरा होता है। 2

खण्ड—य

Q.20. मानचित्र कार्य

Q.21. मानचित्र कार्य 1. गोलकुड़ा 2. विजयनगर 3. कोलार 4. चद्रगिरी 5. तंजाबुर